**Fourteenth Loksabha**

**Session : 10**
**Date : 26-04-2007**

**Participants : Ahir Shri Hansraj Gangaram**

Title: Need to review the policy of setting up of Special Economic Zones in the Country.

**श्री हंसराज ग. अहीर (चन्द्रपुर) :** महोदय, केन्द्र सरकार द्वारा देश में विशेा आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने की स्वीकृति देने के बाद देश के कतिपय राज्यों में इसका किसानों द्वारा किये जा रहे विरोध को देखते हुए, इस नीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। सरकार द्वारा एस.ई.जेड. को विकास का पैमाना मानकर देश में कृाि योग्य भूमि के अधिग्रहण कराये जा रहे हैं। आज देश में 1894 के भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत किसानों की भूमि अधिग्रहीत की जा रही है। इतने पुराने कानून से किसानों को भूमि का न उचित दाम मिलता है, न उनके विस्थापन पश्चात् भलीभांति पुनर्वसन होता है। कृाि कार्य में संलग्न किसान विस्थापन के पश्चात झुग्गियों में रहने और मजदूरी करने के लिए बाध्य किये जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता किसान और कृाि होनी चाहिए लेकिन देश के किसान और बदहाल होते जा रहे हैं। एस.ई.जेड के देशभर में हो रहे विरोध को इसका प्रतीक समझकर एस.ई.जेड का पुनर्विचार करने तथा देश की प्राथमिकता में बदलाव कर इसे किसान और कृाि आधारित बनाने के लिए विचार करना आ वश्यक है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि एस.ई.जेड का पुनर्विचार करें।